



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 100]  
No. 100]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 10, 1979/वैशाख 20, 1901  
NEW DELHI, THURSDAY, MAY, 10 1979/ VAISAKHA 20, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation.

राजपत्र संशोधन  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली 10 मई, 1979

सं० एक० 4(1)-इस्यू० एच एम०/79.—6½ प्रतिशत ऋण, 1989  
6½ प्रतिशत ऋण, 1995 और 7 प्रतिशत ऋण, 2009 के लिए  
25 मई, 1979 से तकदी में अधिवान स्वीकार किये जाएंगे। जैसे ही  
यह विदित होगा कि कुल अधिवान राशि अनुमानतः 500 करोड़ रुपये  
(संकेतिक) तक पहुँच गयी है, बिना सूचना दिये, किन्तु किसी भी दशा  
में 26 मई, 1979 को कारोबार बन्द होने से पूर्व इन निर्गमों को बन्द  
कर दिया जाएगा। सरकार को 500 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त  
10 प्रतिशत तक के अधिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपरोक्त ऋणों की कुल अधिवान राशि 550.00 करोड़  
रुपयों (संकेतिक) से अधिक हो तो ऋणों के संबंध में आनुपातिक आधार  
पर आंशिक आवंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आवंटन किया जाता है  
तो आवंटन के बाद यथायोग्य अतिरिक्त अधिवान राशि लीटा दी जाएगी।  
इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई ब्याज भुगतान नहीं किया जाएगा।

3. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और  
25 मई 1989 को सममूल्य पर 6-1/4 प्रतिशत ऋण, 1989—

(i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 25 मई, 1989 को  
सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

(ii) निगम मूल्य—आवृत्ति ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (संके-  
तिक) का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 25 मई, 1979 से वार्षिक  
6½ प्रतिशत होगी। ब्याज प्रत्येक छमाही में 25 नवम्बर  
और 25 मई को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार भुगतान किये  
गये ब्याज पर नीचे दिये हुए पैरा 7 और 8 के उपबन्धों के  
अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

4. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और  
25 मई 1995 को सममूल्य पर प्रतिवेय 6½ प्रतिशत ऋण, 1995।

(i) वापसी अदायगी की तारीख—(ऋण 25 मई 1995 को  
सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

(ii) निर्गम मूल्य—आवृत्ति ऋण के प्रत्येक ₹० 100.00 (संके-  
तिक) का निर्गम मूल्य ₹० 100.00 होगा।

(iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 25 मई, 1979 से वार्षिक  
6-1/2 प्रतिशत होगी। ब्याज प्रत्येक छमाही में 25 नवम्बर  
और 25 मई को भुगतान किया जाएगा। इस प्रकार भुगतान किये  
गये ब्याज पर नीचे दिये हुए पैरा 7 और 8 के उपबन्धों के  
अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा।

5. ₹० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और  
25 मई, 2009 को सममूल्य पर प्रतिवेय 7 प्रतिशत ऋण, 2009—

(1) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 25 मई, 2009  
सममूल्य पर वापस भुगतान किया जाएगा।

(2) निर्गम मूल्य—प्रावेशित ऋण के प्रत्येक रु० 100.00 (सैकै-  
लिक) का निर्गम मूल्य रु० 100.00 होगा।

(3) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 25 मई, 1979 से वार्षिक  
7 प्रतिशत होगी। ब्याज प्रत्येक छमाही में 25 नवम्बर और  
25 मई को भुदा किया जाएगा। इस प्रकार भुदा किये गये  
ब्याज पर नीचे दिये हुए पैरा 7 और 8 के उपबन्धों के  
अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर जमेगा।

#### पूरक व्यवस्थाएं

6. ब्याज भुदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व  
बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई, कलकत्ता, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर,  
मद्रास, नागपुर नयी दिल्ली और पटना में स्थित लोक ऋण कार्यालयों  
भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़ कर अन्यत्र  
किसी राजकोष या उप राजकोष में और जम्मू तथा श्रीनगर में स्थित  
केन्द्रीय सरकार के बैंक और लेखा कार्यालय में ब्याज भुदा किया जाएगा।

7. (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) ब्याज भुदा  
किये जाने समय काटे गये कर की वापसी भुदायगी उन ऋण-धारकों को  
प्राप्त होगी जो कर-पत्र नहीं हैं या जिन पर उन दरों पर कर लागू  
होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों।

जो धारक कर-पत्र नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर-पत्र  
है वह जिने के भ्राय कर अधिकारी को आवेदन कर उनका एक ऐसा  
प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर  
को कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर  
कर की कटौती कर उसे ब्याज भुदा किया जाए।

8. भुदा जारी किये जाने वाले सभी ऋणों पर और इसके पहले की  
अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुसूचित  
निवेशों से मिलने वाली आय की वार्षिक 3,000 रुपये की सीमा तक  
और धारक अधिनियम, 1961 की धारा 80-उ के अन्य उपबन्धों के  
अधीन आय कर से छूट प्राप्त होगी।

9. भुदा जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के  
मूल्य, इनके पट्टे पर होने वाली प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और

संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को  
भी 1,50,000 रुपये की सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

10. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जाएंगी।

- (i) स्टॉक, इसके आवेदकों को स्टॉक प्रमाणपत्र दिये जाएंगे या
- (ii) वचनपत्र

यदि आवेदक इनमें से किसी के पत्र में विशेष अभिसूचित का हल्लेख  
न करें तो वचनपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जाएंगी।

11. ऋणों के लिए आवेदन-पत्र ऋणों के लिए आवेदन पत्र रु० 100  
या उसके गुणांशों के लिए होने चाहिए।

12. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जाएंगे—

(क) अहमदाबाद, बंगलूर, बम्बई (फोर्ट और बाह्यकला), कलकत्ता,  
हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली और  
पटना में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और

(ख) उपर्युक्त (क) को छोड़ कर भारत में अन्य सभी स्थानों पर  
भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं।

13. आवेदन पत्र इसके साथ सलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे  
फार्म में होने चाहिए जिनमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण,  
आवेदन को पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख  
हो जहां आवेदक ब्याज की भुदायगी की अपेक्षा करता हो।

14. आवेदन पत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या बैंक के रूप में  
प्रेषित की जानी चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के  
कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम ग्राहकित  
होने चाहिए।

15. स्वीकृत बैंकों और दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनके  
मोहरयुक्त ऋण-आवेदन-पत्रों पर किये गये आवंटनों पर प्रति रु० 100  
(सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर बलाबी भुदा की जाएगी।

दलाली की भुदायगी के लिए जारी किये जाने की तारीख से छ  
महीने के भीतर भुदायगी कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से  
प्रबल्लेख जन्म मिहारी, संपूर्ण सचिव

#### आवेदन फार्म

मैं/हम..... इसके साथ..... रुपये  
(पूरा/पूरे नाम)

नकदी में\*..... रुपये के लिए बैंक\* प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं और यह बचुरोव  
करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें वचनपत्र (पत्रों)† के रूप में..... रुपये के सांकेतिक मूल्य के 6-1/4 प्रतिशत

स्टॉक प्रमाणपत्र

ऋण, 1989\*/ 6-1/2 प्रतिशत ऋण, 1995\*/ 7 प्रतिशत, 2009\* की प्रतिभूतियां जारी की जाएं और उनका ब्याज.....में पेश हो।

विशेष टिप्पणी : इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें। सारी प्रविष्टियां लोक ऋण  
कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

छोटे हस्ताक्षर विनांक

आवेदन पत्र सं०.....  
'बलाबी नहीं' मुहर.....  
प्राप्ती नकदी.....  
बसुल हुआ बैंक.....  
विशेष बाबू खाते में जमा किया गया.....  
जोष की गयी.....  
नकदी आवेदन पत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया.....  
बलाबी रजिस्टर में दर्ज किया गया.....  
माध्य पत्र सं०.....  
प्रतिभूति सं०.....  
कार्ड सं०.....को

हस्ताक्षर.....  
पूरा नाम.....  
पता.....

वाक्य पर पारित किया गया .....  
दिनांक ..... मई, 1979

- टिप्पणी :—(1) प्रत्येक ऋण और अपेक्षित नये ऋण की प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टाक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिए अलग-अलग आवेदन किए जाएं।
- (2) यदि आवेदक के हस्ताक्षर झंगूटे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम पर किया जाय तो निम्नलिखित दस्तावेज निवेश आवेदन पत्र के साथ संलग्न किये जाएं यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों :—
- (i) पंजीकरण/निगमन का मूल प्रमाणपत्र या उसकी प्रतिलिपियाँ जो जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा कार्यालय मुहर के अधीन सच्ची प्रतिलिपि प्रमाणित हो।
- (ii) निकाय/कम्पनी के ज्ञापनपत्र और अन्तनियम या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियाँ।
- (iii) निकाय/कम्पनी की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेन-देन करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (4) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियाँ जारी कराना चाहते हैं, उन्हें छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिए प्रादेश फार्म (राज ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिए।

\*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

रु० 100, रु० 200, रु० 500, रु० 1,000, रु० 5,000, रु० 10,000, रु० 25,000, रु० 50,000 और 1,00,000 के मूल्य वर्गों में वचनपत्र जारी किये जाएंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका उल्लेख यहाँ किया जाए।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 1979

**No. F. 4(1)-W&M/79.**—Subscriptions for the issues of 6½ per cent Loan, 1989, 6½ per cent Loan, 1995 and 7 per cent Loan, 2009 will be received from the 25th May 1979 in the form of cash. The issues will be closed without notice as soon as it appears that the total subscriptions amount approximately to Rs. 500 crores (Nominal) and in any case not later than the close of business on the 26th May 1979. Government reserves the right to retain subscriptions received upto 10 per cent in excess of the sum of Rs. 500 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 550 crores (Nominal), partial allotment will be made in respect of the loans on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 6½ per cent Loan, 1989 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 25th May, 1989.

- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 25th of May, 1989.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6½ per cent per annum from 25th May, 1979. Interest will be paid half-yearly on the 25th November and 25th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

4. 6½ per cent Loan, 1995 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 25th May, 1995.

- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 25th May, 1995.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 6½ per cent per annum from 25th May, 1979. Interest will be paid half yearly on the 25th November and 25th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8

below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961.

5. 7 per cent Loan, 2009 issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 25th May, 2009.

- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 25th of May 2009.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 100.00 for every Rs. 100.00 (Nominal) of the Loan applied for.
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 7 per cent per annum from 25th May, 1979. Interest will be paid half-yearly on the 25th November and 25th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 7 and 8 below, be liable to tax under the IncomeTax Act, 1961.

### SUPPLEMENTARY PRIVISIONS

6. Place of payment of interest.—Interest on the loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay, Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna, at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India, except the State of Jammu and Kashmir and Sikkim, and at the Central Government's Pay and Accounts Offices at Jammu and Srinagar.

7. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

8. Interest on all the loans now issued together with interest on other previous Government securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 3,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

9. The value of investments in the loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth Tax Act will also be exempt from the Wealth Tax upto Rs. 1,50,000.

10. The securities will be issued in the form of —

- (i) Stock, the applicants for which will be given Stock Certificates or
- (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Promissory Notes.

11. Applications for the loans : Applications for the loans must be for Rs. 100 or a multiple of that sum.

12. Applications will be received at —

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi and Patna; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all places in India except at (a) above.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100 (Nominal) to recognised banks and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the paying offices within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,  
A. C. TIWARI, Jt. Secy.

#### FORM OF APPLICATION

I/We ..... [Full name(s) in Block Letters]  
herewith tender Cash\* Rs. .... /Cheque\* for Rs. .... and request that securities of 6½ per cent Loan, 1989\*/6½ per cent Loan, 1995\*/7 per cent Loan, 2009\* of the nominal value of Rs. .... may be issued to me/us in the form of Promissory Note(s)†

interest to be payable at .....

Stock Certificate

NB.—The applicant should not write anything in this cage. The entries will be filled in by the Public Debt Office.

	Initials	Date	
Application No.....			Signature .....
N.B. Stamp.....			Name in full (Block letters) .....
Cash received.....			
Cheque realised.....			
Credited to Special Current Account.....			
Examined.....			Address .....
Cash Application Register posted.....			
Brokerage Register posted.....			
Indet No.....			
Scrip No.....			
Card No.....			
Voucher passed on.....			

Dated the ..... of May, 1979.

\*Delete what is not required.

†Promissory Notes will be issued in denominations of Rs. 100, Rs. 200, Rs. 500, Rs. 1,000, Rs. 5,000, Rs. 10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000, and Rs. 1,00,000. State here the particular denomination required.

Notes:—(1) Separate application should be made for each Loan and each form of scrip (Stock Certificate or Promissory Note) of the new Loan required.

(2) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.

(3) If the application is made in the name of a registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application:

(i) Certificate of Registration/Incorporation in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under office seal.

(ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/Bye-Laws of the body/company.

(iii) Certified copy of resolution in favour of the persons authorised to deal in Government securities on behalf of the body/company.

(4) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for transmission of half-yearly interest to them.